Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 28-2017] CHANDIGARH, TUESDAY, JULY 11, 2017 (ASADHA 19, 1939 SAKA)

General Review

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियणा की वार्षिक प्रशासकीय रिपोर्ट वर्ष 2015–2016 की समीक्षा।

दिनांक 8 जून, 2017

क्रमांक नं0 1687–कृषि–II(1)–2017/9157.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2015–16 के अंतर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 110 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का अनुमानित 6.5 प्रतिशत (2015–16) भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2014–15 व 2015–16 के दौरान क्रमशः 152.36 लाख टन व 163.33 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 11.38 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ। कृषि अवस्था को मापने हेतू भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 185.04 प्रतिशत व 57.08 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

वर्ष 2014 के 17.43 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2015 में 17.99 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। रबी 2015–2016 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 25.76 लाख हैक्टेयर, 0.42 लाख हैक्टेयर, 0.29 लाख हैक्टेयर 5.32 लाख हैक्टेयर क्षेत्र रहा जबकि यह वर्ष 2014–15 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 26.01 लाख हैक्टेयर, 0.65 लाख हैक्टेयर, 0.33 लाख हैक्टेयर, 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेंहू का उत्पादन वर्ष 2014–15 के 103.54 लाख टन की तुलना में बढ़कर 113.52 लाख टन हो गया।

डॉ० अभिलक्ष लिखी,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ।

चण्डीगढ़ः
दिनांक 23.5.2017

Review of the Annual Administrative Report of Agriculture and Farmers Welfare Department Haryana for the year 2015-16

The 8th June, 2017

No. 1687 Agri. II (I)-2017/9157.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture and Farmers Welfare backed with support of the State Government and dynamism of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State.The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 110 lakh tonne food grains to the Central pool during 2015-16. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.5% of the total production in the country during 2015-16. The food grain production achieved during 2014-15 and 2015-16 was 152.36 lakh tonne and 163.33 lakh tonne respectively. Thus there was increase by 7.46 lakh tonne in food grain production as compared to the preceding year. Efficient land use is a good index for measuring the status of agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 185.04% and 57.08 lakh ha respectively.

The average yield of various Kharif crops have mix trend of Increase or decrease. As against the area of 17.43 lakh ha covered during Kharif 2014, an area of 17.99 lakh ha was covered under different Kharif crops in 2015. The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 25.76 lakh ha, 0.42 lakh ha, 0.29 lakh ha and 5.32 lakh ha during 2015-16 as compared to 26.01 lakh ha, 0.65 lakh ha, 0.33 lakh ha and 5.10 lakh ha respectively covered during Rabi 2014-15. The production of wheat remained 113.52 lakh tonnes during the season as compared to production of 103.54 lakh tonnes during Rabi 2014-15.

DR. ABHILAKSH LIKHI,
Principal Secretary to Government of Haryana.
Agriculture and Farmers Welfare Department.

Chandigarh:
Dated: 23/05/2017

55447—C.S.—H.G.P., Chd.